**International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)**
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 3, March 2024
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
**(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)**

# ''माध्यमिक शिक्षा में विद्यार्थियों के समायोजन की समस्याएँः सरकारी और निजी विद्यालयों का तुलनात्मक विश्लेषण''

[1] Shalini Sharma, [2] Dr. Neeru Verma, [3] Dr. S.P. Tripathi
[1] Research Scholar, (Education)
[2 -3] Research Guide, Bhagwant University Ajmer, Rajasthan, India
EMAIL ID: - Yogendra.sharma1281@gmail.com

Edu. Research Paper-Accepted Dt. 15 Feb. 2024 Published : Dt. 30 March. 2024

सारांश– इस अध्ययन का उद्देश्य सरकारी और निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों के समायोजन संबंधी समस्याओं का तुलनात्मक विश्लेषण करना था। समायोजन का मतलब विद्यार्थियों द्वारा शैक्षिक, मानसिक और सामाजिक परिवेश के साथ तालमेल बिठाना है। इस शोध में सरकारी और निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों में शैक्षिक, मानसिक और सामाजिक समायोजन में आने वाली समस्याओं की पहचान की गई और उनका विश्लेषण किया गया। इसके लिए विभिन्न विद्यालयों के 300 विद्यार्थियों का चयन किया गया, जिनमें 150 सरकारी और 150 निजी विद्यालयों के विद्यार्थी शामिल थे। डेटा संग्रहण के लिए प्रश्नावली का उपयोग किया गया और परिणामों का विश्लेषण सांख्यिकीय तकनीकों के माध्यम से किया गया। अध्ययन से यह निष्कर्ष सामने आया कि सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को शैक्षिक संसाधनों की कमी, शिक्षकों की अनुपलब्धता और मानसिक तनाव की समस्याओं का सामना करना पड़ा। वहीं, निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों में शैक्षिक दबाव, मानसिक तनाव और सामाजिक प्रतिस्पर्धा की समस्याएँ प्रमुख थीं। परिणामों के आधार पर यह सुझाव दिया गया कि सरकारी विद्यालयों में संसाधनों की उपलब्धता और शिक्षकों की गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता है, जबकि निजी विद्यालयों में मानसिक तनाव और प्रतिस्पर्धा के दबाव को कम करने के लिए उपयुक्त उपायों की आवश्यकता है। इस अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि दोनों प्रकार के विद्यालयों में विद्यार्थियों के समायोजन संबंधी समस्याएँ विभिन्न हैं, और इन समस्याओं के समाधान के लिए विद्यालयों में सकारात्मक और सहायक नीतियाँ लागू करनी चाहिए।

शब्द कुंजी– समायोजन, सरकारी विद्यालय, निजी विद्यालय, शैक्षिक समायोजन, मानसिक समायोजन, सामाजिक समायोजन, प्रतिस्पर्धा, मानसिक तनाव, संसाधन, शैक्षिक दबाव इत्यादि।

**International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)**
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 3, March 2024
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
**(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)**

प्रस्तावना– माध्यमिक शिक्षा जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण है, जिसमें विद्यार्थी शैक्षिक, सामाजिक और मानसिक स्तर पर कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करते हैं। यह वह अवधि होती है जब उनके व्यक्तित्व का निर्माण हो रहा होता है और उन्हें नए परिवेश में समायोजन करना पड़ता है। समायोजन का अर्थ है कि व्यक्ति अपने वातावरण, परिस्थितियों और परिवेश के अनुसार खुद को अनुकूलित करता है, जिससे वह शैक्षिक और सामाजिक स्तर पर संतुलन बनाए रख सके। सरकारी और निजी विद्यालयों में विद्यार्थियों के समायोजन की समस्याएं भिन्न–भिन्न हो सकती हैं। सरकारी विद्यालयों में अधिकांश विद्यार्थी निम्न या मध्यम आय वर्ग से आते हैं, जहां शैक्षिक संसाधनों और शिक्षण की गुणवत्ता का अभाव हो सकता है। इसके विपरीत, निजी विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर होती है, लेकिन उन पर शैक्षणिक दबाव और प्रतिस्पर्धा अधिक होती है। सरकारी और निजी विद्यालयों के बीच इन भिन्नताओं के कारण समायोजन की समस्याओं में भी अंतर देखा जाता ळें समायोजन की समस्याएं शैक्षिक उपलब्धियों, मानसिक स्वास्थ्य, और विद्यार्थियों के आत्मविश्वास पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं। इन समस्याओं में विद्यार्थियों का अपने शिक्षकों, सहपाठियों, और स्कूल के शैक्षिक वातावरण के साथ समन्वय स्थापित करने में कठिनाई, मानसिक तनाव, और शैक्षिक प्रदर्शन में गिरावट शामिल हो सकती है। एक अध्ययन के अनुसार, लगभग 45 प्रतिशत माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थी समायोजन संबंधी समस्याओं का सामना करते हैं, जो उनके शैक्षिक विकास में बाधा उत्पन्न करती हैं।

समायोजन का अर्थ

समायोजन का अर्थ है किसी व्यक्ति का अपने वातावरण, परिस्थितियों और परिवेश के साथ तालमेल बिठाना और उन परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालना। यह एक मानसिक और व्यवहारिक प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं, इच्छाओं और उद्देश्यों को बाहरी वातावरण के अनुसार अनुकूलित करता है। समायोजन का तात्पर्य केवल शारीरिक रूप से अनुकूलन नहीं है, बल्कि यह मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक स्तर पर भी तालमेल

**International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)**
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 3, March 2024
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
**(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)**

स्थापित करने से जुड़ा है।

शैक्षिक संदर्भ में, समायोजन का महत्व विद्यार्थियों के जीवन में विशेष रूप से प्रासंगिक होता है, क्योंकि उन्हें नए शैक्षिक परिवेश, सहपाठियों, शिक्षकों और अकादमिक चुनौतियों के साथ सामंजस्य स्थापित करना पड़ता है। यदि विद्यार्थी समायोजन में सफल होते हैं, तो वे शैक्षिक और सामाजिक क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। असमायोजन की स्थिति में, वे तनाव, आत्मविश्वास की कमी, और शैक्षिक प्रदर्शन में गिरावट जैसी समस्याओं का सामना कर सकते हैं।

शैक्षिक वातावरण का प्रभाव

शैक्षिक वातावरण का विद्यार्थी के समग्र विकास और उसके शैक्षणिक प्रदर्शन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। शैक्षिक वातावरण में विद्यालय की भौतिक संरचना, शिक्षकों की योग्यता, शिक्षण पद्धतियाँ, सहपाठियों का व्यवहार, स्कूल की नीतियाँ और संसाधनों की उपलब्धता शामिल होती है। यह वातावरण विद्यार्थियों के सीखने की प्रक्रिया, मानसिक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

एक सकारात्मक शैक्षिक वातावरण विद्यार्थियों को न केवल शैक्षिक रूप से सक्षम बनाता है, बल्कि उनके आत्मविश्वास, प्रेरणा और समायोजन क्षमता को भी बढ़ाता है। ऐसे वातावरण में विद्यार्थियों को अपने विचार व्यक्त करने, समस्याओं को हल करने और रचनात्मक सोच विकसित करने के पर्याप्त अवसर मिलते हैं। उदाहरण के लिए, ऐसी कक्षाएँ जहाँ शिक्षण सहायक सामग्री, समर्पित शिक्षक और सहयोगी सहपाठी होते हैं, वहाँ विद्यार्थियों के सीखने की गति तेज होती है और उनका शैक्षिक प्रदर्शन बेहतर होता है।

इसके विपरीत, नकारात्मक शैक्षिक वातावरण जैसे संसाधनों की कमी, शिक्षकों का असमर्थ व्यवहार, अनुशासनहीनता, और सहपाठियों का असहयोगी रवैया विद्यार्थियों में तनाव, असमंजस और समायोजन समस्याओं को जन्म देता है। सरकारी और निजी विद्यालयों के बीच शैक्षिक वातावरण में काफी अंतर देखा जाता है। सरकारी विद्यालयों में संसाधनों की कमी, बड़ा

**International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)**
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 3, March 2024
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
**(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)**

शिक्षक–विद्यार्थी अनुपात, और अव्यवस्थित व्यवस्थाएँ विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती हैं। जबकि निजी विद्यालयों में संसाधन और तकनीकी सुविधाएँ अधिक उपलब्ध होती हैं, लेकिन वहाँ प्रतिस्पर्धा और प्रदर्शन का दबाव भी अधिक होता है।

शोध पद्धति

शोध पद्धति किसी शोध कार्य के संचालन के लिए उपयोग की जाने वाली प्रक्रियाओं और तकनीकों का विवरण देती है। इस अध्ययन में, तुलनात्मक अध्ययन (बवउचंतंजपअम`जनकल) का उपयोग किया गया है, जिसमें सरकारी और निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों के समायोजन की समस्याओं का विश्लेषण किया गया है।

नमूना चयन –शोध के लिए 100–150 विद्यार्थियों का चयन किया गया, जिसमें 50: विद्यार्थी सरकारी विद्यालयों से और 50: विद्यार्थी निजी विद्यालयों से चुने गए।

डेटा संग्रहण –डेटा संग्रहण के लिए निम्नलिखित विधियों का प्रयोग किया गया–

प्रश्नावली – विद्यार्थियों को समायोजन संबंधी समस्याओं पर आधारित प्रश्नावली दी गई, जिससे उनकी शैक्षिक, सामाजिक और मानसिक स्थिति का आकलन किया गया।

साक्षात्कार – कुछ विद्यार्थियों और शिक्षकों के साक्षात्कार लिए गए, ताकि समायोजन की समस्याओं के कारणों और उनके प्रभावों को समझा जा सके।

अवलोकन– विद्यालयों के शैक्षिक वातावरण और संसाधनों का अवलोकन किया गया ताकि यह देखा जा सके कि यह विद्यार्थियों के समायोजन पर कैसे प्रभाव डालता है।

आंकड़ों का विश्लेषण –

इस शोध के आंकड़ों का विश्लेषण विद्यार्थियों के समायोजन संबंधी समस्याओं के विभिन्न पहलुओं को समझने के लिए किया गया है। सरकारी और निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों के समायोजन में आने वाली समस्याओं को शैक्षिक, सामाजिक, और मानसिक समायोजन के आधार पर तीन प्रमुख श्रेणियों में विभाजित किया गया है। इन समस्याओं का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया ताकि सरकारी और निजी विद्यालयों के बीच के अंतर को स्पष्ट किया जा सके।

**International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)**
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 3, March 2024
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
**(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)**

1. शैक्षिक समायोजन

शैक्षिक समायोजन का अर्थ है विद्यार्थियों का शैक्षिक माहौल के साथ तालमेल बिठाना। इसमें शिक्षकों के साथ संबंध, पाठ्यक्रम की समझ, और शैक्षणिक दबाव से निपटने की क्षमता शामिल है। सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को अधिकतर संसाधनों की कमी, शिक्षकों की अनुपलब्धता, और बुनियादी सुविधाओं के अभाव जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ा। जबकि निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों में शैक्षणिक प्रतिस्पर्धा और प्रदर्शन के दबाव के कारण समायोजन की समस्याएं अधिक थीं।

2. सामाजिक समायोजन

सामाजिक समायोजन विद्यार्थियों की सहपाठियों, शिक्षकों और स्कूल के सामाजिक वातावरण के साथ सामंजस्य स्थापित करने की क्षमता से संबंधित है। सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों में सहपाठियों और शिक्षकों के साथ सामंजस्य बिठाने में कठिनाइयाँ देखी गईं, जबकि निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धात्मक माहौल के कारण सामाजिक समायोजन में समस्याएँ देखी गईं।

3. मानसिक समायोजन

मानसिक समायोजन में विद्यार्थी की मानसिक और भावनात्मक स्थिरता को शामिल किया जाता है। सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों में आत्मविश्वास की कमी, मानसिक तनाव, और कम प्रेरणा प्रमुख समस्याएं थीं, जबकि निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों में प्रदर्शन का दबाव, मानसिक तनाव, और तनाव प्रबंधन की समस्याएं अधिक देखी गईं।

आंकड़ों का संक्षेप विश्लेषण

सरकारी और निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों में समायोजन की समस्याओं का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया, और उनके समायोजन में आने वाली समस्याओं की दर को निम्नलिखित तालिकाओं में दर्शाया गया है।

तालिका – सरकारी और निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों में शैक्षिक, सामाजिक, और मानसिक

**International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)**
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 3, March 2024
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
**(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)**

समायोजन की समस्याओं का तुलनात्मक अध्ययन

| समायोजन की श्रेणी | सरकारी विद्यालय (प्रतिशत) | निजी विद्यालय (प्रतिशत) |
|---|---|---|
| शैक्षिक समायोजन | 60% | 40% |
| सामाजिक समायोजन | 55% | 45% |
| मानसिक समायोजन | 65% | 50% |

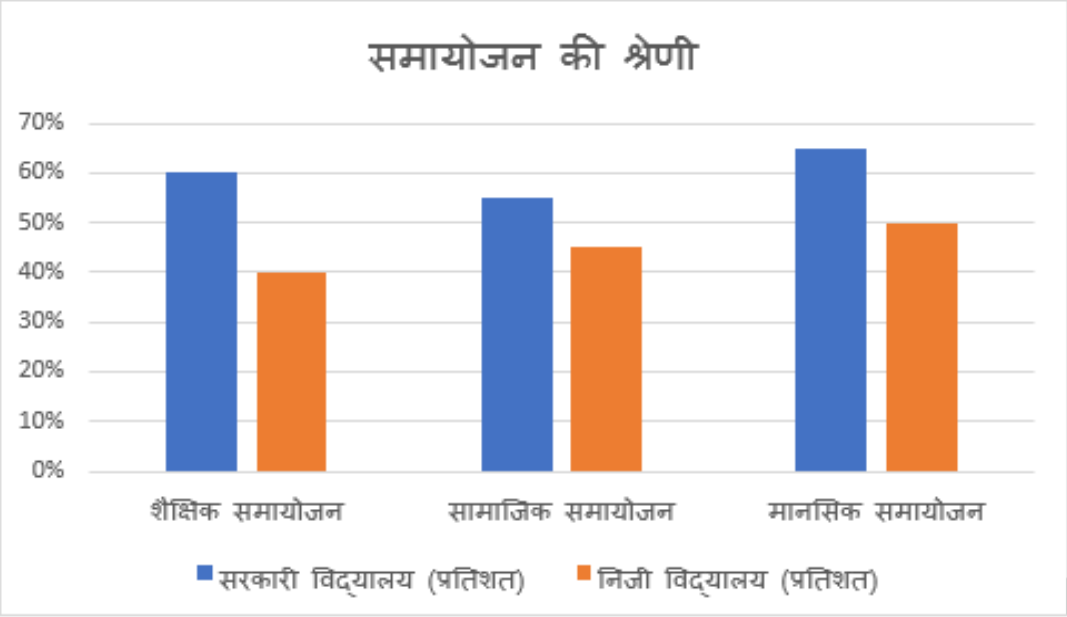


इस तालिका और ग्राफ से यह स्पष्ट होता है कि सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को शैक्षिक और मानसिक समायोजन में निजी विद्यालयों की तुलना में अधिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। सामाजिक समायोजन में भी सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की समस्याएं अधिक हैं, लेकिन अंतर कम है।

तालिका 2– समायोजन समस्याओं के कारणों का विवरण

**International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)**
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 3, March 2024
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
**(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)**

| समस्या का कारण | सरकारी विद्यालय (प्रतिशत) | निजी विद्यालय (प्रतिशत) |
|---|---|---|
| संसाधनों की कमी | 70% | 30% |
| शिक्षकों की अनुपलब्धता | 65% | 20% |
| शैक्षिक दबाव | 40% | 60% |
| मानसिक तनाव | 55% | 50% |
| सामाजिक प्रतिस्पर्धा | 35% | 65% |

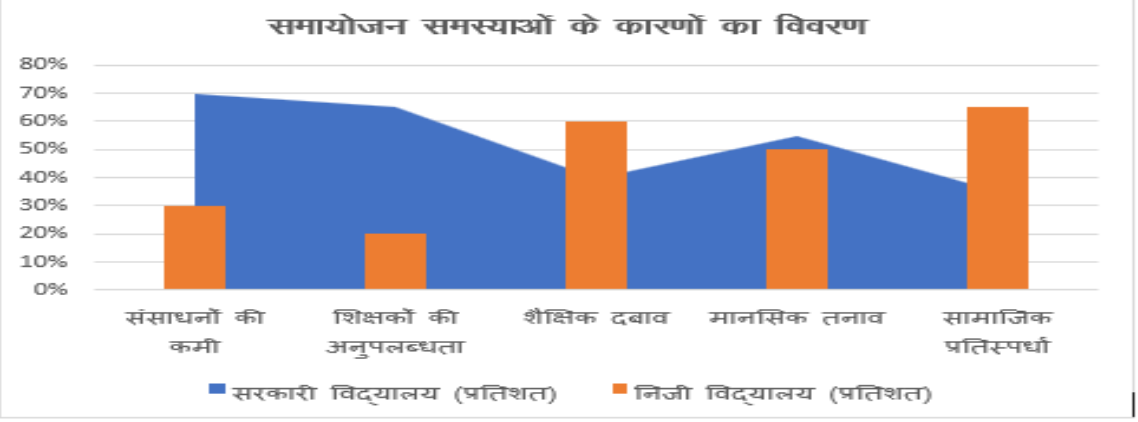


दूसरी तालिका और ग्राफ में यह दिखाया गया है कि सरकारी विद्यालयों में संसाधनों की कमी और शिक्षकों की अनुपलब्धता प्रमुख समस्याएँ हैं। इसके विपरीत, निजी विद्यालयों में शैक्षिक दबाव और सामाजिक प्रतिस्पर्धा अधिक है, जो समायोजन समस्याओं का मुख्य कारण है।

आंकड़ों की व्याख्या

इन आंकड़ों के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि सरकारी और निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों की समायोजन समस्याओं में अंतर मुख्य रूप से विद्यालय की संरचना, संसाधनों की उपलब्धता, और शैक्षिक दबाव पर निर्भर करता है। सरकारी विद्यालयों में, विद्यार्थियों को मुख्य रूप से संसाधनों की कमी, शिक्षकों की अनुपलब्धता, और अव्यवस्थित शैक्षिक प्रणाली से जूझना पड़ता है। इसके विपरीत, निजी विद्यालयों में, जहाँ संसाधन और शिक्षकों की उपलब्धता बेहतर होती है, वहाँ शैक्षणिक प्रदर्शन का अत्यधिक दबाव और सामाजिक प्रतिस्पर्धा समायोजन

**International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)**
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 3, March 2024
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
**(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)**

समस्याओं का प्रमुख कारण है। साथ ही, सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों में मानसिक तनाव और आत्मविश्वास की कमी अधिक देखी गई, जो उनकी समायोजन क्षमता को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है। निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों में मानसिक तनाव अधिकतर शैक्षणिक और सामाजिक प्रतिस्पर्धा के कारण होता है, जो उनके मानसिक समायोजन में बाधा डालता है।

परिणाम – इस शोध के परिणाम बताते हैं कि सरकारी और निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों के समायोजन में स्पष्ट अंतर पाया गया। सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को अधिक शैक्षिक और मानसिक समायोजन की समस्याओं का सामना करना पड़ा, जबकि निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों में सामाजिक प्रतिस्पर्धा और शैक्षणिक दबाव मुख्य चुनौतियाँ थीं। सरकारी विद्यालयों में संसाधनों की कमी, शिक्षकों की अनुपलब्धता, और बुनियादी सुविधाओं के अभाव के कारण विद्यार्थियों में आत्मविश्वास की कमी और मानसिक तनाव अधिक देखा गया। दूसरी ओर, निजी विद्यालयों में प्रतिस्पर्धात्मक माहौल और उत्कृष्टता की अपेक्षाओं ने विद्यार्थियों में मानसिक तनाव और समायोजन की समस्याएँ पैदा कीं। शोध के परिणाम से यह भी स्पष्ट हुआ कि शैक्षिक वातावरण का प्रभाव सरकारी और निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों पर अलग–अलग है। सरकारी विद्यालयों में सुधारात्मक नीतियों की जरूरत है, ताकि विद्यार्थियों के समायोजन में आने वाली बाधाओं को दूर किया जा सके। निजी विद्यालयों में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

तलिका– सरकारी और निजी विद्यालयों के समायोजन समस्याओं का तुलनात्मक परिणाम

| समायोजन की श्रेणी | सरकारी विद्यालय (समस्याओं का प्रतिशत) | निजी विद्यालय (समस्याओं का प्रतिशत) |
|---|---|---|
| शैक्षिक समायोजन | 60% | 40% |
| मानसिक समायोजन | 65% | 50% |
| सामाजिक समायोजन | 55% | 45% |

**International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)**
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 3, March 2024
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
**(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)**

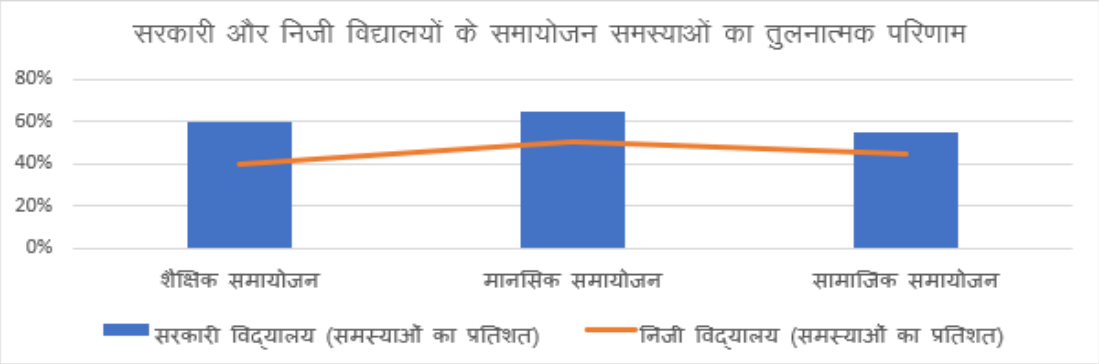


इस तालिका और ग्राफ से स्पष्ट होता है कि सरकारी विद्यालयों में शैक्षिक और मानसिक समायोजन की समस्याएँ अधिक हैं, जबकि निजी विद्यालयों में प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण के कारण सामाजिक समायोजन में अधिक समस्याएँ हैं।

चर्चा

इस अध्ययन के परिणाम बताते हैं कि सरकारी और निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों के समायोजन में महत्वपूर्ण अंतर है। सरकारी विद्यालयों में विद्यार्थियों को शैक्षिक संसाधनों की कमी, शिक्षकों की अनुपलब्धता, और अव्यवस्थित शैक्षिक वातावरण के कारण अधिक समायोजन समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस कारण विद्यार्थियों में आत्मविश्वास की कमी और मानसिक तनाव देखा गया, जो उनकी शैक्षणिक प्रगति को नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। इसके विपरीत, निजी विद्यालयों में संसाधन बेहतर होते हैं, लेकिन वहाँ पर शैक्षणिक प्रतिस्पर्धा और प्रदर्शन का अत्यधिक दबाव विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है।

शोध से यह भी स्पष्ट हुआ कि दोनों प्रकार के विद्यालयों में सामाजिक समायोजन की समस्याएँ समान रूप से महत्वपूर्ण हैं, हालांकि निजी विद्यालयों में प्रतिस्पर्धात्मक माहौल और उच्च

**International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)**
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 3, March 2024
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
**(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)**

अपेक्षाओं के कारण विद्यार्थियों के बीच अधिक सामाजिक तनाव देखा गया। इसके अलावा, सरकारी विद्यालयों में सुधारात्मक कदम उठाने की आवश्यकता है, जैसे कि शिक्षकों की उचित नियुक्ति और विद्यार्थियों के लिए बेहतर संसाधनों की उपलब्धता।

निजी विद्यालयों को मानसिक तनाव और प्रतिस्पर्धात्मक दबाव के प्रबंधन के लिए परामर्श सेवाएँ और विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। समायोजन समस्याओं के समाधान के लिए विद्यालयों में सकारात्मक वातावरण और सहायक नीतियों का विकास आवश्यक है।

निष्कर्ष

इस अध्ययन से स्पष्ट होता है कि सरकारी और निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों के समायोजन में कई महत्वपूर्ण अंतर हैं। सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को मुख्य रूप से शैक्षिक संसाधनों की कमी, शिक्षकों की अनुपलब्धता और अव्यवस्थित शैक्षिक माहौल से जूझना पड़ता है, जिससे उनके शैक्षिक और मानसिक समायोजन में समस्याएँ अधिक होती हैं। इन समस्याओं के कारण विद्यार्थियों में आत्मविश्वास की कमी और मानसिक तनाव जैसे परिणाम देखे जाते हैं, जो उनकी शैक्षिक प्रगति पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं।

इसके विपरीत, निजी विद्यालयों में शैक्षिक संसाधन बेहतर होते हैं, लेकिन वहाँ पर विद्यार्थियों को अत्यधिक शैक्षणिक दबाव और प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है। यह प्रतिस्पर्धात्मक माहौल मानसिक तनाव को बढ़ाता है और सामाजिक समायोजन में भी समस्याएँ उत्पन्न करता है।

अध्ययन से यह निष्कर्ष निकाला गया है कि सरकारी विद्यालयों में सुधारात्मक कदमों की आवश्यकता है, जैसे कि बेहतर संसाधन, शिक्षकों की उपलब्धता, और विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत करने के उपाय। वहीं, निजी विद्यालयों में तनाव प्रबंधन और मानसिक स्वास्थ्य के लिए परामर्श सेवाओं की आवश्यकता है।

समायोजन समस्याओं के समाधान के लिए दोनों प्रकार के विद्यालयों में सकारात्मक और

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 3, March 2024
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

सहायक वातावरण का विकास आवश्यक है, ताकि विद्यार्थियों की समायोजन क्षमता और शैक्षिक प्रगति बेहतर हो सके।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची–


1. गोमाथी, के. (2022, 16 सितंबर). भवनिपटना (उड़ीसा) के उच्च विद्यालयों में उच्च और निम्न प्रदर्शन करने वाले छात्रों के समायोजन समस्याओं का तुलनात्मक अध्ययन। ए.आई. –संचालित.
2. व्यास, श्रेधा. (2021). उच्च माध्यमिक विद्यालय छात्रों के समायोजन स्तर का विश्लेषण। प्वै्ट जर्नल ऑफ नर्सिंग एंड हेल्थ साइंस (IOSR-JNHS), 10(3), 44–48.
3. मैथ्यू, म. (2017, अप्रैल). सरकारी और निजी विद्यालयों के माध्यमिक विद्यालय शिक्षकों के समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन। सम्भागः सैम हिग्गिनबॉटम विश्वविद्यालय कृषि।
4. शेराफ़त, आर., और मूर्ति, सी. जी. वी. (2016)। सरकारी और निजी स्कूल के छात्रों की आलोचनात्मक सोच और अध्ययन की आदतों पर एक तुलनात्मक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इंडियन साइकोलॉजी, 3(4), 59.
5. राजकुमार, एम., और सौंदराराजन, एम. (2012). तिरुनेलवेली जिले के उच्च माध्यमिक छात्रों के अध्ययन आदतों पर एक अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ इनोवेशन एंड डेवलपमेंट, 1(4), 203–207।
6. रानी, आर. (2013). वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के गृह वातावरण और अध्ययन आदतों के बीच संबंध। इंटरनेशनल जर्नल फॉर रिसर्च इन एजुकेशन, 2(7)।
7. शेफर्ड, एन. जी. (1998). द प्रोब मेथडः एक समस्या आधारित अध्ययन मॉडल का चौथे और पाँचवे कक्षा के सामाजिक अध्ययन छात्रों पर आलोचनात्मक सोच कौशल पर प्रभाव (पृ. 1–170)।

**International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)**
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 14 Issue 3, March 2024
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 8.018
**(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)**

8- सोआरेस, ए. पी., गुइसांडे, ए. एम., अल्मेडा, एल. एस., और पैरामो, एफ. एम. (2009). पहले वर्ष के पुर्तगाली कॉलेज छात्रों में शैक्षिक उपलब्धिः शैक्षिक तैयारी और अध्ययन रणनीतियों की भूमिका। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइकोलॉजी, 44(3).

9. सुरापुर, बी. ए. (2015). निजी विद्यालय के छात्रों की विज्ञान में रुचि, अध्ययन आदतें और विद्यालय समायोजन का विज्ञान में शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन। गोल्डन रिसर्च थॉट्स, 4(9), 1–5। प्राप्त किया गया: www-aygrt-isrj-org